सीएमडी संवाद

भूपेन्द्र गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

"अकेले हम एक बूंद हैं। साथ मिलकर हम एक सागर हैं।"
-रयुनोसुके सातोरो

प्रिय एसजेवीनाइट्स,

एसजेवीएन को राष्ट्र की विकास गाथा में भागीदार होने पर गर्व है। हम एक सुदृढ़ नींव और विकास एवं प्रगति के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ, अवसरों का लाभ उठाकर उन्हें उपलब्धियों में परिवर्तित करते रहते हैं। एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में, एसजेवीएन ने दिनांक 21 अगस्त 2025 को बिहार स्थित अपनी पहली ताप विद्युत परियोजना-बक्सर ताप विद्युत परियोजना (बीटीपीपी) को राष्ट्रीय ग्रिड के साथ सिंक्रोंनाइज किया है। तत्पश्चात माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिनांक 22 अगस्त 2025 को एसजेवीएन की सफलता के इतिहास में स्वर्णिम दिन अंकित करते हुए बीटीपीपी की 660 मेगावाट की पहली इकाई का उद्घाटन किया गया। यह परियोजना बिहार राज्य और पूर्वी क्षेत्र में विद्युत उपलब्धता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी, पीक समय में विद्युत की कमी को कम करेगी और ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करेगी।

अपनी परियोजना उपलब्धियों में वृद्धि करते हुए एसजेवीएन ने राजस्थान में 1000 मेगावाट क्षमता की बीकानेर सौर विद्युत परियोजना में 100.25 मेगावाट क्षमता का सीओडी सफलतापूर्वक हासिल किया। इसके साथ ही, परियोजना की कुल कमीशन क्षमता अब 501.02 मेगावाट हो गई है।

मैं आप सभी को भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा एसजेवीएन को प्रदान किए गए प्रतिष्ठित 'स्कोप एमिनेंस अवार्ड इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट' के लिए बधाई देता हूँ। यह गौरवपूर्ण उपलब्धि एसजेवीएन की प्रगतिशील और जन-केंद्रित मानव संसाधन प्रैक्टिस और कर्मचारी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एसजेवीएन को राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में उत्कृष्टता के लिए विद्युत मंत्रालय के विशेष पुरस्कार- 'राजभाषा प्रभा' से भी सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार माननीय केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी कार्य मंत्री, श्री मनोहर लाल द्वारा नई दिल्ली में प्रदान किया गया।

परियोजना की प्रगति पर दृष्टि डालने के साथ हम देख सकते हैं कि कई परियोजनाओं में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। 66 मेगावाट धौलासिद्ध एचईपी में, संचयी संकार्य 69% पूर्ण हो चुके हैं और बांध कंक्रीटिंग, पावर हाउस कंक्रीटिंग और पेनस्टॉक इरेक्शन संबंधी संकार्य अंतिम चरण में हैं। 210 मेगावाट लूहरी चरण-1 एचईपी में समग्रत: 51% भौतिक प्रगति हुई है और डायवर्जन टनल का केविटी ट्रीटमेंट एवं रेस्टोरेशन संबंधी संकार्य प्रगति पर हैं। 900 मेगावाट अरुण-3 एचईपी में, संचयी संकार्य 70% पूर्ण हो चुके हैं। एचआरटी हेडिंग पूर्ण हो गई है और लाइनिंग कार्य जारी है। पावर हाउस परिसर में कार्य अग्रिम चरण में है और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल घटकों का निर्माण कार्य जारी है। बांध कंक्रीटिंग का कार्य प्रगति पर है और 44% कंक्रीटिंग पूर्ण हो गई है, जबकि ट्रांसमिशन लाइन का 55 प्रतिशत कार्य भी पूरा हो गया है। 382 मेगावाट सुन्नी बांध जल विद्युत परियोजना में अब तक 30% कार्य पूर्ण हो गया है। बांध के लेफ्ट अबेटमेंट संबंधित खुदाई का कार्य पूर्ण हो गया है और राइट अबेटमेंट संबंधी खुदाई कार्य प्रगति पर है। एमएटी, पावर हाउस कैवर्न, ट्रांसफार्मर हॉल कैवर्न, टेल रेस टनल और प्रेशर शाफ्ट के लिए एडिट का खुदाई कार्य प्रगति पर है।

एसजेवीएन ने अपनी आगामी जलविद्युत

परियोजनाओं से विद्युत आपूर्ति के लिए यूपीपीसीएल के साथ विद्युत विक्रय एवं विद्युत क्रय करार तथा एनडीएमसी के साथ विद्युत क्रय करार किया है। ये करार स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और शहरी उपभोक्ताओं के लिए विद्युत अवसंरचना को सुदृढ़ करने के प्रति एसजेवीएन की प्रतिबद्धता को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

एसजेवीएन ने लोक उद्यम विभाग के सहयोग से धर्मशाला में 'सीपीएसई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों एवं कार्यात्मक निदेशकों के क्षमता निर्माण' पर दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के निष्पादन, परिवर्तन और सतत विकास को गति देने में नेतृत्व पर गहन एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए।

एसजेवीएन को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कल्याण संबंधी संसदीय समिति, श्रम, वस्त्र और कौशल विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति और संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 (एक राष्ट्र, एक चुनाव) पर संयुक्त संसदीय समिति के सदस्यों के हिमाचल प्रदेश दौरे के दौरान मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस प्रकार दौरों ने एसजेवीएन को अपनी चल रही पहलों की प्रगति को साझा करने एवं राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा करने के बहुमूल्य अवसर प्रदान किए।

Issue : Q1, April-June 2024

इन आयोजनों और उल्लेखनीय उपलब्धियों के अतिरिक्त, एसजेवीएन अपनी सुदृढ़ सामाजिक एवं पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को दर्शाने वाली पहलों में भी सक्रिय रूप से शामिल रहा है। अपनी परम्परा को कायम रखते हुए, 'एंडिंग प्लास्टिक पोल्यूशन' विषय पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। ई-कचरा कलेक्शन अभियान का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से लगभग 30 किलोग्राम इलेक्ट्रॉनिक कचरा सुरक्षित एवं उत्तरदायी निपटान हेतु एकत्रित किया गया।

समाज को कुछ देने एवं समुदायों की सेवा करने के उद्देश्य से, एसजेवीएन ने अपनी 'मेरी सामाजिक ज़िम्मेदारी (एमएसआर)' पहल के अंतर्गत एक प्रदर्शनी- सह- आउटरीच कार्यक्रम 'सौहार्द' के पाँचवें संस्करण का आयोजन किया। यह अनूठी पहल इस वर्ष स्वच्छता पखवाड़ा के साथ मिलकर आयोजित की गई तथा इसका उद्देश्य अपने कर्मचारियों में तात्कालिक पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के साथ करुणा एवं सामाजिक संवेदनशीलता की संस्कृति को विकसित करना था। एसजेवीएन कर्मचारियों ने स्वेच्छा से स्मृति चिह्न, अतिरिक्त घरेलू सामान और अन्य उपयोगी वस्तुएँ दान कीं, जिन्हें मल्टीपर्पज़ हॉल में प्रदर्शित किया गया और तत्पश्चात कारपोरेट मुख्यालय में विभिन्न ठेकेदारों द्वारा तैनात निम्न-आय वाले आउटसोर्स श्रमिकों को वितरित किया गया।

एसजेवीएन ने "रक्त दो, आशा दो: साथ मिलकर हम जीवन बचाएं।" थीम के साथ विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नियमित रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया और एसजेवीएन कार्यकर्ताओं को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे नियमित रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को बल मिला।

एसजेवीएन ने 79वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति के उत्साह और भव्यता के साथ मनाया। इस अवसर को और भी महत्वपूर्ण बनाते हुए, एक अंतर-विभागीय प्रतियोगिता 'वंदे मातरम' में एसजेवीएन के लोगों ने राष्ट्र के प्रति अपने देश प्रेम की अभिव्यक्ति की तथा भारत की समृद्ध विविधता और विरासत को प्रदर्शित किया। विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर, एसजेवीएन ने नई प्रतिभाओं को एसजेवीएन परिवार में सहज रूप से एकीकृत करने में सहायता हेतु मार्गदर्शिका के रूप में प्रथम ट्रेनिंग इंडक्शन मैन्युअल का भी विमोचन किया।

जैसे-जैसे हम अपनी सामूहिक यात्रा में अग्रसर हो रहे हैं, मैं अपनी विद्युत परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के अत्यंत महत्वपूर्ण महत्व पर ज़ोर देना चाहता हूँ। प्रभावी समय प्रबंधन पर आधारित समयबद्ध निष्पादन न केवल कंपनी की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करता है तथा विद्युत क्षेत्र में हमारे नेतृत्व में वृद्धि करता है अपितु इन प्रयासों से जुड़े प्रत्येक कर्मचारी के विकास, सीख और करियर विकास में भी प्रत्यक्ष योगदान देता है। समय पर हासिल किया गया प्रत्येक लक्ष्य हमारे अनुशासन, योजना और टीम वर्क को दर्शाता है और अंततः संगठनात्मक प्रगति और व्यक्तिगत समृद्धि दोनों को प्रेरित करता है। आइए हम अपनी परियोजनाओं को उत्कृष्टता, दक्षता और समयबद्धता के बेंचमार्क हेतु फोकस,समर्पण और साझा दायित्व की भावना के साथ कार्य करते रहें।

एसजेवीएन, नवरत्न सीपीएसई रूप में, भारत की विकास गाथा में योगदान देने की ज़िम्मेदारी को गर्व से निभा रहा है। हमें मिलकर उत्कृष्टता एवं समर्पण के उच्चतम मानकों को कायम रखना होगा। आइए, यह सामूहिक भावना हमें वर्ष 2030 तक 25,000 मेगावाट और वर्ष 2040 तक 50,000 मेगावाट के हमारे साझा विज़न को हासिल करने की दिशा में मार्ग निर्देश प्रदान करे।

(भूपेन्द्र गुप्ता)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक